हिन्दी दैनिक
आशंका बुलेटिन
Email-ashankabulletin000@gmail.com

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

संवाददाता

मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया। केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर ज़ोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति

चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है।

श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान् योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृत्तियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है। व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनाये। इस अवसर पर श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Subscribe Amar Bhaskar News @amarbhaskarnews Amar bhaskar

हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

ज़िद सच की

झांसी, मुरादाबाद, अलीगढ़, आगरा, सहारनपुर मंडल, दिल्ली एनसीआर एवं उत्तराखंड में प्रसारित

Email- amarbhaskar21@gmail.com, www.amarbhaskar.in

वर्ष: 03 अंक: 146 बदायूं, गुरुवार 04 दिसंबर 2025 पृष्ठ- 08 मूल्य- 4.00 रूपये

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनावें। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. गीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

मीडिया फॉर यू

मथुरा। (तुलसीराम)/एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवादः सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृत्तियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

दैनिक सार सागर
मथुरा ब्यूरो सत्येंद्र यादव

मथुरा। ह्लएक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवादः सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्वह्ल के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र सर्मपण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महा-योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृत्तियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है।

विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिलिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनाये।

इस अवसर पर श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर ज़ोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है।

डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान् योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृत्तियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है।

विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला।

आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व" के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान में के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने अरविंद माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म–खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन मिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोमास्ती, अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वी सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए।विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है।विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे।इस अवसर पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया।

शहर 30S

केएम विवि में आयोजित व्याख्यान में अतिथि सम्मान करते कुलाधिपति किशन चौधरी एवं अन्य। • हिन्दुस्तान

रविंद के शैक्षिक दर्शन पर हुआ व्याख्यान

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय में एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-सतत विकास के संदर्भ में अरविंद के शैक्षिक दर्शन विषयक व्याख्यान आयोजित किया। शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने अरविंदो सोसाइटी पुडुचेरी व मथुरा से आए अतिथियों के स्वागत के साथ की। कार्यक्रम संयोजक व चांसलर सलाहाकार डॉ. एसपी गोस्वामी ने अरविंद व माताजी के शिक्षा दर्शन को समग्र शिक्षा, आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना विकास का आधार बताया। मुख्य अतिथि डॉ. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव-अरोभारती, अरविंदो सोसाइटी ने कहा कि 21वीं सदी भारत की है और राष्ट्र समर्पण की भावना ही देश को विश्वगुरु बनाएगी। कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह ने कहा कि अरविंद का लक्ष्य भारतीयों को उच्चतम आध्यात्मिक चेतना के लिए तैयार करना था। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा-वेद, नदियां, ज्योतिर्लिंग सब राष्ट्रवाद की मूल भावना से जुड़े हैं।

वृंदावन स्थित

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

दिल्ली और दिल्ली, आलोक तिवारी

मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व" के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, आरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम आध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृतियाँ विश्व को दी हैं, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार हैं।

विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, विदेश के लोग इंडिया आ रहे हैं देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्रवाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते हैं और दूसरों को खुशी दे सकते हैं, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरू बनाये। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएनआर श्री कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

परिहार गर्जना न्यूज। मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्टवाद: सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर ज़ोर दिया।

व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट सर्मपण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्टवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्टीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान् योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्हांने अनेक कृत्तियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है।

विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट वाद में देखने को मिलता है। व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनाये। इस अवसर पर श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्टवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्टगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद–स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

विद्वानों का स्वागत व अभिनंदन के दौरान विवि के कुलसचिव

मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवादः सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व" के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म–खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र सर्मपण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी

कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र–छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनाये। इस अवसर पर श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र–छात्राए उपस्थित रहे।

RNI: Reg. No. MPHIN/2021/82530

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान

खबरें बेबाक, बेखौफ, बिंदास

ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, हरियाणा दिल्ली से एक साथ प्रसारित

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान /नीरज चतुर्वेदी

मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद: सतत विकास के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, ओरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत की जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें स्रोतों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम आध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। विशिष्ट अतिथि अनिल बाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरु बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, मंदिरों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनाये। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएसवआर श्री कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. सीमा वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिवेदी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद-स्थिरता पर व्याख्यान

न्यूज स्पीक्स

मथुरा। एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवादः सतत विकाश के संबंध में श्रीअरविंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरविंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया। केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरविंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म-खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरविन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र समर्पण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरविन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। श्री अरविन्द ने कभी भी स्वयं को राष्ट्रीय कर्मक्षेत्र से अलग नहीं किया था, पाण्डिचेरी का जीवन श्री अरविन्द की महान् योग साधना और साहित्यिक क्रिया का जीवन रहा। उन्होंने अनेक कृत्तियाँ विश्व को दी है, जिसमें दिव्य जीवन, मानव एकता का आदर्श, योग के तत्व, कर्मयोग का आदर्श, मानव चक्र, भारतीय संस्कृति के आधार है। वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है। व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र-छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। इस अवसर पर श्री अरविंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएम विवि में हुआ एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद–स्थिरता पर व्याख्यान

श्रीअरबिंदो के शिक्षिक योगदान पर विद्वानों ने किया मंच साझा

विद्वानों का स्वागत व अभिनंदन के दौरान विवि के कुलसचिव

मथुरा। "एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवादः सतत विकाश के संबंध में श्रीअरबिंद के शैक्षिक दर्शन का महत्व" के संबंध में के.एम. विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में, के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने पुडुचेरी और मथुरा के श्री अरबिंदो सोसाइटी शाखा से आए गणमान्यों का हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया।

केएम विवि के चांसलर के सलाहाकार तथा कार्यक्रम के संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने श्री अरबिंद और माताजी का शिक्षा दर्शन समग्र शिक्षा तथा आत्म–खोज, आंतरिक स्वतंत्रता और चेतना के विकास पर जोर दिया। व्याख्यान कार्यशाला के दौरान कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. किशोर कुमार त्रिपाठी, सदस्य सचिव, अरोभारती, श्री अरबिन्द सोसाइटी ने श्री अरविन्द के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी भारत की है। राष्ट्र सर्मपण के प्रति हम सभी को भावना रखनी चाहिए, जिससे जीवन में खुशी आये। भारत को जरूरत है राष्ट्र के विकास की, जिसके लिए हमें लीडरों के व्याख्यान पढ़ने चाहिए। उनके व्यक्तित्व को अपनाते हुए शिक्षा प्राप्त कर भारत को विश्वगुरू बनाना है। डॉ किशोर कुमार त्रिपाठी ने एक दिव्य मिशन के रूप में राष्ट्रवाद के संदर्भ में महर्षि अरबिन्द और श्रीमाताजी के चिंतन पर छात्रों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा श्री अरविन्द ने भारतीयों को उच्चतम अध्यात्मिकता के लिए तैयार करना अपना लक्ष्य उचित समझा था क्योंकि उनकी धारणा थी

कि भारत का उद्देश्य सम्पूर्ण मानवत्ता को जाग्रत करके चेतना के एक उच्चतर स्तर पर रखना है। विशिष्ट अतिथि अनिल वाजपेई ने कहा आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप केएम विश्वविद्यालय से जुड़े है, विदेश के लोग इंडिया आ रहे है देश को जो मान मिल रहा है वह भारतीय डाक्टरों के कारण मिल रहा है। आप ही इस राष्ट्र को आगे ले जाकर भारत को विश्वगुरू बनायेंगे। हमारे पुराने वेदों में राष्ट्र की बात कही गई है। उन्होंने राष्ट्र क्या है, वेदों, 12 ज्योतिर्लिंगों, नदियों पर प्रकाश डाला। आपको अपना दीपक स्वयं बनकर अपने को अंदर से जागृत करना चाहिए। ईश्वर की कोई सीमा नहीं, ऐसे ही ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है, अध्यात्म भारत के राष्ट्र वाद में देखने को मिलता है।

व्याख्यान कार्यशाला में विद्वानों ने श्री अरविंद के द्वारा दुनियाभर को दिए गए प्रकाश के बारे में एमबीबीएस छात्र–छात्राओं को बताया, युवा पीढ़ी को श्री अरविंद द्वारा बताया गया है कि राष्ट्र समर्पण प्रति भावना रखकर हम जीवन में खुशी पा सकते है और दूसरों को खुशी दे सकते है, राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव कैसे रखना चाहिए। श्री अरविंद के व्याख्यान, उनके व्यक्तित्व को पढ़े और शिक्षा हासिल कर भारत को विश्वगुरु बनाये। इस अवसर पर श्री अरबिंदो के शैक्षिक दर्शन, राष्ट्रवाद पर एसएचआर ऋषि कुमार शर्मा, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज डा. मीता वाजपेई, श्रीमती चंचल अग्रवाल (अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज), श्रीमती ज्योति त्रिपाठी अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डा. एसपी गोस्वामी ने व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान और भारतभूमि माता की प्रार्थना गीत के साथ करवाया। इस मौके पर विवि के समस्त फैकल्टी के एचओडी और सभी संकायों के सैकड़ों की संख्या में छात्र–छात्राए उपस्थित रहे।